दैनिक नईदुनिया
भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित
वर्ष- 78
(भोपाल : वर्ष 40 अंक 135, पृष्ठ 12)
सोमवार 14 अप्रैल 2025
राजधानी संस्करण
कीमतः 3:00 रुपये
www.naiduniaonline.com

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती आज

केंद्र सरकार ने सहकारिता क्षेत्र में बड़ा बदलाव किया: शाह

भोपाल(काप्र)।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि देश में सहकारिता आंदोलन में कभी अनियमन की स्थिति थी, लेकिन केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने साढ़े तीन सालों के दौरान सहकारिता के क्षेत्र में बड़ा बदलाव किया है।

श्री शाह ने यहां राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, राज्य के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग और पशुपालन मंत्री लखन पटेल समेत अनेक जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और मध्यप्रदेश डेयरी फेडरेशन के मध्य समझौते पर हस्ताक्षर भी हुए, जिसके तहत

राज्य में डेयरी क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाए जाएंगे। श्री शाह ने अपने संबोधन में कहा कि एक समय था, जब देश में सहकारिता आंदोलन में अनियमन था। कुछ राज्यों में यह काफी आगे था। कुछ जगह इसका सरकारीकरण हुआ, तो कुछ जगह पूरी तरह विनाश हुआ। देश में सहकारी आंदोलन बटा हुआ था, इसकी मुख्य वजह यह थी कि कानूनों में समय के साथ बदलाव नहीं किया गया। देश में जिस तेजी से परिस्थितियां बदलीं, उनके अनुरूप कानून नहीं बदले गए। उस समय कभी भी राष्ट्रीय स्तर पर समग्रता के साथ विचार नहीं हुआ। श्री शाह ने कहा कि लेकिन मोदी सरकार ने देश में 75 साल बाद केंद्रीय सहकारिता विभाग का गठन किया। इसका मंत्री उन्हें (श्री शाह) बनाया गया। उन्होंने मंत्री बनने के बाद सबसे पहले प्राथमिक सहकारी समितियों में सुधार के लिए आदर्श बाय लॉज बनाए और उन्हें सभी राज्यों को भेज दिया। श्री शाह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी राज्यों ने इन बाय लॉज को लागू कर दिया और इसके साथ ही सहकारिता क्षेत्र में सुधार प्रारंभ हो गया। उन्होंने कहा कि वे सभी राज्यों को इस बात के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि इन सुधारों की वजह से अब पैक्स 20 से ज्यादा काम करने लगे हैं और उनकी आय भी बढ़ी है, जबकि एक समय पैक्स केवल अल्पकालीन किसान ऋण से संबंधित कार्य करते थे, जिससे उन्हें सिर्फ आधा प्रतिशत का (शेष पेज 2 पर)

केन्द्र सरकार के मार्गदर्शन में सहकारी आंदोलन में आया क्रांतिकारी परिवर्तन : डॉ यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह के कुशल प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि वे पारस की तरह हैं, उनके पास जो विभाग आ जाए वह सोना हो जाता है। उनकी उपस्थिति में हो रहे अनुबंध से प्रदेश में नई संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं। सहकारिता के क्षेत्र में अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। बहुउद्देशीय समितियों के माध्यम से प्रदेश में भी सहकारिता की गतिविधियों को बढ़ाया जा रहा है। सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए राज्य सरकार ने अनेकों महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। अब सहकारी समितियों से पेट्रोल पंप, दवाई की दुकान व अन्य गतिविधियां संचालित होंगी। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में फैक्ट्रियों को भी सहकारिता से चलाने के लिए अनुबंध हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि दुग्ध उत्पादन हर घर की आय में वृद्धि का प्रमाणिक स्त्रोत है। प्रदेश में गौ-पालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। गौ-पालन पर अनुदान की व्यवस्था की गई है। राज्य सरकार ने दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। सरकार घर-घर गोकुल बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। किसानों की जिंदगी बेहतर करने के लिए सरकार गाय का दूध (शेष पेज 2 पर)

वक्फ कानून को लेकर सिलचर में पथराव, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

गुवाहाटी (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बाद असम में भी वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसा देखने को मिली. संसद से पारित नए कानून के खिलाफ रविवार को असम के कछार जिले में हिंसक प्रदर्शन देखने को मिला. कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव कर दिया. सिलचर शहर में स्थिति को नियंत्रित करने और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने लाठीचार्ज किया. सिलचर के हिंसा प्रभावित इलाकों में चामरागुडम, बेरेंगा और ओल्ड लखीपुर रोड इलाके शामिल हैं. विरोध रैली आज सुबह निकाली गई, जो शुरू में शांतिपूर्ण रही. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं और नारे लगा रहे थे कि यह कानून इस्लाम विरोधी है. साथ ही कहा कि अगर इसे वापस नहीं लिया गया तो वे आंदोलन को और तेज (शेष पेज 2 पर)

जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि, पीढ़ियां याद रखेंगी : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने बैसाखी के दिन दो पोस्ट की। पहले में बैसाखी की शुभकामनाएं दीं तो दूसरे में भारतीय इतिहास के काले अध्याय को याद दिलाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- हम जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। आने वाली पीढ़ियां उनके अदम्य साहस को हमेशा याद रखेंगी। यह वास्तव में हमारे देश के इतिहास का एक काला अध्याय था। उनका बलिदान भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन गया। पीएम मोदी से पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी एक्स पोस्ट में उस नरसंहार को भारत के स्वतंत्रता संग्राम का काला अध्याय बताया। उन्होंने इसे अंग्रेजी हुकूमत की अमानवीयता की पराकाष्ठा बताया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी जलियांवाला बाग नरसंहार को याद करते हुए लिखा- जलियांवाला बाग के अमर बलिदानियों को हम सिर झुकाकर नमन करते हैं। कृतज्ञ राष्ट्र उन नि:शस्त्र स्वाधीनता सेनानियों की देशभक्ति, उनके साहस, समर्पण, त्याग और नि:स्वार्थ बलिदान को कभी नहीं भूलेगा। आजादी की लड़ाई में उनकी शहादत का अमिट योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

किसानों को खाद-बीज आदानों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को समग्र कृषि क्षेत्र की प्रगति के संबंध में साप्ताहिक समीक्षा बैठक की।

केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि किसानों को खाद-बीज आदि आदानों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाना चाहिए। बैठक में सभी उर्वरक की स्थिति पर्याप्त बताई गई। श्री चौहान के कार्यालय में आयोजित की गयी इस बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों से फसलों की कटाई, बुआई, उपार्जन आदि की स्थिति की जानकारी लेने के साथ ही उपज के थोक और खुदरा मूल्यों के बारे में समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। बैठक में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण सचिव देवेश चतुर्वेदी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। विभिन्न उपज की पैदावार अच्छी होने की संभावना के मद्देनजर केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को किसानों को लाभ और फसलों की पूरी खरीद की व्यवस्था बनाने की निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि ग्रीष्मकालीन बुवाई के मौसम के लिए नौ अप्रैल तक धान की बुवाई में पिछले वर्ष की तुलना में 4.65 लाख हेक्टेयर की वृद्धि दर्ज की गई है, जो 27.33 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 31.98 लाख हेक्टेयर (शेष पेज 2 पर)